

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के आधार पर निर्मित

# पाठ्यक्रम

---

---

आचार्य साहित्यम् तृतीय सत्रार्द्ध

---

---

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

[संसद के अधिनियम द्वारा स्थापित]

जनकपुरी नई दिल्ली

## साहित्यम्

पत्र संख्या - DSCC - 24

पाठ्यक्रम विवरणम् -

ध्वनेः व्यञ्जकत्वादिरूपणम्

भाग - 1	क्रेडिट - 1	यूनिट - 1	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

अविवक्षितवाच्यः विवक्षिताभिधेयश्च

- \* अविवक्षितवाच्ये पदप्रकाशत्वम् वाक्यप्रकाशत्वं च
- \* विवक्षिताभिधेये अनुरणनरूपव्यङ्ग्यभेदाः

भाग - 2	क्रेडिट - 1	यूनिट - 2	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

- सङ्घटना \* गुणसङ्घटनयोः वैलक्षण्यम् \* गुणानाम् आश्रयविचारः  
\* सङ्घटनानियमे हेतुः \* औचित्यस्य सङ्घटनानियामकत्वम्

भाग - 3	क्रेडिट - 1	यूनिट - 3	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

प्रबन्धादीनां रसाभिव्यञ्जकत्वम्

- \* प्रबन्धस्य रसव्यञ्जकत्वे हेतुः \* मुख्यादिसन्धीनाम् आवश्यकता
- \* सुप्तिङ्वचनादीनां व्यञ्जकत्वम् \* सन्धीनां तदङ्गानां च स्वरूपम्

भाग - 4	क्रेडिट - 1	यूनिट - 4	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

रसविरोधिनः तत्परिहारोपायाश्च

- \* रसविरोधिनः पदार्थाः \* रसविरोधपरिहारोपायाः
- \* व्यञ्जनाविषयकः आक्षेपः तत्समाधानञ्च \* वाच्यस्य व्यञ्जकत्वविचारः

पाठ्य/सन्दर्भग्रन्थाः - ध्वन्यालोकस्य तृतीयोद्योते - एवं व्यङ्ग्यमुखेनैव इत्यत आरभ्य ध्वनिसंज्ञितः

प्रकारः काव्यस्य व्यञ्जितः सोऽयम् इत्यन्तं यावत्।

## साहित्यम्

पत्र संख्या - DSCC - 25

पाठ्यक्रम विवरणम् -

गुणीभूतव्यङ्ग्यादिनिरूपणम्

भाग - 1	क्रेडिट - 1	यूनिट - 1	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

गुणीभूतव्यङ्ग्यम्

- \* गुणीभूतव्यङ्ग्येन अलङ्काराणां सौन्दर्यम्
- \* काकुस्थले गुणीभूतव्यङ्ग्यम्
- \* गुणीभूतव्यङ्ग्यस्य सङ्कीर्णविषयत्वम्
- \* गुणीभूतव्यङ्ग्यस्य काव्यप्रकारत्वम्

भाग - 2	क्रेडिट - 1	यूनिट - 2	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

चित्रकाव्यादिः

- \* चित्रकाव्यम्
- \* सङ्करः
- \* संसृष्टिः
- \* कैशिक्यादयो वृत्तयः

भाग - 3	क्रेडिट - 1	यूनिट - 3	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

अर्थस्य नवत्वम्, महाभारते शान्तरसः च

- \* सगुणीभूतस्य ध्वनेः निरूपणप्रयोजनम्
- \* ध्वनिप्रभेदसमाश्रयेण अर्थस्य नवत्वम्
- \* एकस्यैव रसस्य छायातिशयाधायकत्वम्
- \* काव्यार्थस्य विरामाभावः

भाग - 4	क्रेडिट - 1	यूनिट - 4	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

देशकालाद्यवस्थाभेदेन आनन्त्यप्रतिपादनं संवादः च

- \* देशकालादिभेदेन कविप्रतिभानन्त्यम्
- \* काव्यसंवादः
- \* संवादविभागः
- \* सुकविवाण्याः माहात्म्यम्

पाठ्य/सन्दर्भग्रन्थाः - ध्वन्यालोकस्य तृतीयोद्योते - प्रकारोऽन्यो गुणीभूतव्यङ्ग्यः इत्यत आरभ्य चतुर्थोद्योतस्य समाप्तिं यावत्।

## साहित्यम्

पत्र संख्या - DSCC - 26

पाठ्यक्रम विवरणम् -

सौन्दर्यशास्त्रं – पाश्चात्यं प्राच्यं च ।

भाग - 1	क्रेडिट - 1	यूनिट - 1	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

सौन्दर्यस्यावधारणा अनुभूतिश्च

- |  |                                     |
|--|-------------------------------------|
| * पाश्चात्यदृष्ट्या सौन्दर्यस्यावधारणा | * भारतीयदृष्ट्या सौन्दर्यस्यावधारणा |
| * पाश्चात्यदृष्ट्या सौन्दर्यानुभूतिः   | * भारतीयदृष्ट्या सौन्दर्यानुभूतिः   |
| * सौन्दर्यस्य कलात्मिकाऽभिव्यक्तिः     |                                     |

भाग - 2	क्रेडिट - 1	यूनिट - 2	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

सौन्दर्यानुभूतिविषये पाश्चात्याः - 1

- |   |  |
|---|--|
| * अनुकृतिसिद्धान्तः (Theory of Imitation) | * विरेचनसिद्धान्तः (Theory of Catharsis)   |
| * उदात्तवादः (Theory of Sublimity)        | * कल्पनासिद्धान्तः (Theory of imagination) |

भाग - 3	क्रेडिट - 1	यूनिट - 3	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

सौन्दर्यानुभूतिविषये पाश्चात्याः - 2

- |  |                                   |
|--|-----------------------------------|
| * अभिव्यञ्जनासिद्धान्तः (Theory of Expression) | * कलावादः (Art is for Art's sake) |
| * स्वप्नवादः (Theory of Dream)                 | * बिम्बवादः (Theory of Imagism)   |

भाग - 4	क्रेडिट - 1	यूनिट - 4	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

सौन्दर्यानुभूतिविषये प्राच्या दृष्टिः

- |  |  |
|--|--|
| * रससिद्धान्तः सौन्दर्यानुभूतिश्च        | * अलङ्कारसिद्धान्तः सौन्दर्यानुभूतिश्च |
| * रीतिसिद्धान्तः सौन्दर्यानुभूतिश्च      | * ध्वनिसिद्धान्तः सौन्दर्यानुभूतिश्च   |
| * वक्रोक्तिसिद्धान्तः सौन्दर्यानुभूतिश्च | * औचित्यसिद्धान्तः सौन्दर्यानुभूतिश्च  |

पाठ्य/सन्दर्भग्रन्थाः -

1. भारतीयसौन्दर्यशास्त्र की भूमिका – डा. नागेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दरियागंज, दिल्ली
2. संस्कृत काव्यशास्त्र का आलोचनात्मक इतिहास, प्रो. रेवाप्रसाद द्विवेदी, कालिदास संस्थान, 28, महामनापुरी, वाराणसी।
3. काव्यतत्त्वालोकः – डा.सुज्ञानकुमारमाहान्तिः, राष्ट्रियसंस्कृतविद्यापीठम् (राष्ट्रियसंस्कृतविश्वविद्यालयः), तिरुपति:
4. Reflections on Poetics and Aesthetics  
by Prof. Aruna Ranjan Mishra, Pratibha Prakashan, New Delhi
5. भारतीय साहित्यशास्त्र – डा. गणेश त्र्यम्बक देशपाण्डेय, Popular Prakashan Pvt. Ltd.
6. पाश्चात्य काव्यशास्त्र – डा. देवेन्द्रनाथ शर्मा
7. Comparative Aesthetics, Vol. 1 & 2, Prof. Kanti Chandra Pandey, Chowkhamba Sanskrit Series Office, Varanasi, UP
8. The Sense of Beauty  
by George Santayana, Charles Scribner's Sons, New York
9. सौन्दर्यशास्त्र, डा. हरिलाल शर्मा, हिन्दीसाहित्य प्रेस, इलाहाबाद, उ.प्र.

## साहित्यम्

पत्र संख्या - DSCC - 27

पाठ्यक्रम विवरणम् -

एकाङ्किकरूपकपरम्परा

भाग - 1	क्रेडिट - 1	यूनिट - 1	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

नाट्यकारो भासस्तदीय ऊरुभङ्गश्च

- |                                |   |
|--------------------------------|---|
| * साहित्यदर्पणदिशा अङ्कलक्षणम् | * महाकवेः भासस्य व्यक्तित्वं कृतयश्च  |
| * ऊरुभङ्गस्य परिचयः            | * ऊरुभङ्गे नान्द्यन्ते ततः प्रविशति सूत्रधारः<br>इत्यत आरभ्य विष्कम्भकान्तः |

भाग - 2	क्रेडिट - 1	यूनिट - 2	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

ऊरुभङ्गस्य पाठ्यांशः

- |   |
|---|
| * ऊरुभङ्गे ततः प्रविशति बलदेव इत्यत आरभ्य स्फुटितकमलपत्र..<br>इत्यादिपद्यसंख्या ५६ पर्यन्तः भागः। |
| * ऊरुभङ्गे ततः प्रविशति अश्वत्थामा इत्यत आरभ्य समाप्तिं यावत्।                                    |

भाग - 3	क्रेडिट - 1	यूनिट - 3	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

वीथीरूपकपरम्परा, लीलावतीवीथ्याः परिचयः च ।

- |                           |                                       |
|---------------------------|---------------------------------------|
| * एकाङ्किकरूपकाणामितिहासः | * वीथीरूपकाणाम् इतिहासः               |
| * लीलावतीवीथ्याः परिचयः   | * कवेः रामपाणिवादस्य परिचयः कृतयश्च । |

भाग - 4	क्रेडिट - 1	यूनिट - 4	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

लीलावतीवीथी

- |   |                                   |
|---|-----------------------------------|
| * नान्दीत आरभ्य प्रस्तावनान्तः  | * प्रस्तावनानन्तरं विष्कम्भकान्तः |
| * ततः प्रविशति यथानिर्दिष्टो राजा इत्यारभ्य पद्यसंख्या – २५ पर्यन्तः पाठ्यांशः  |                                   |
| * “विदूषकः – भो वअस्स होदु एव्वम्” इत्यारभ्य पद्यसंख्या – ४० पर्यन्तः पाठ्यांशः |                                   |
| * “साधु भद्रसिद्धे” इत्यारभ्य भरतवक्यान्तः ।                                    |                                   |

**पाठ्य/सन्दर्भग्रन्थाः -**

१. ऊरुभङ्गः – भासकृतः
२. लीलावती वीथी - रामपाणिवादरचिता,  
हिन्दी-अनुवादसहिता, व्याख्याकारः - डा.सुज्ञानकुमारमाहान्तिः, प्रकाशनाधीना
३. साहित्यदर्पणः (अङ्कलक्षणम्) – आचार्यविश्वनाथकृतः

**सन्दर्भग्रन्थाः –**

१. भासनाटकचक्रम् (प्रथम भाग)– आचार्य बलदेव उपाध्याय,  
चौखम्बा संस्कृत सीरिज आफिस, वाराणसी।
२. लीलावती वीथी – रामपाणिवादरचिता प्राचीति संस्कृतवृत्त्या सहिता,  
वृत्तिकारः - डा.सुज्ञानकुमारमाहान्तिः,  
प्रकाशकः- DK Printworld, H-12, bali nagar, New Delhi – 110015.
३. संस्कृतसाहित्य का इतिहास - आचार्य बलदेव उपाध्याय,  
चौखम्बा संस्कृत सीरिज आफिस, वाराणसी।